Vestige
किसान मित्र प्रोजेक्ट

किसान मित्र प्रोजेक्ट

कुछ सवाल :-

1. क्या पहले के मुकाबले आज आपकी लागत ज्यादा है या कम ?
2. क्या पहले के मुकाबले मिट्टी आपको कमजोर नजर आती है या उर्वरा शक्ती बढी हुई ?
3. क्या पहले के मुकाबले फसल की किस्म अच्छी है या बेकार ?
4. क्या पहले के मुकावले वास्तविक पैदावार बढी है या नही ?

किसान मित्र प्रोजेक्ट

ऐसा क्यों ?

प्रति एकड यूरिया की खपत

साल	एकड	खपत
1955	1	5 Kg
आज	1	100 Kg (न्यूनतम)

किसान मित्र प्रोजेक्ट

खाद के अधिक प्रयोग से भूमि उर्वरता घटी

एक हेक्टेयर खेत में 133 किलो रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। पिछले 60 साल में कृषि खाद के बेतहाशा बढ़ते प्रयोग से देश के अनेक हिस्सों में भूमि की उर्वरता प्रभावित हुई है और गंगा के मैदानी इलाकों की मृदा गुणवत्ता का तेजी से क्षरण हुआ है।

उर्वरक विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 1951-52 के दौरान प्रति हेक्टेयर एक किलो से भी कम खाद का प्रयोग किया जाता था, जबकि अब एक हेक्टेयर खेत में 133 किलो रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतने के बाद भी दुनिया के अन्य विकसित देशों की अपेक्षा देश में उर्वरकों का इस्तेमाल कम है। विश्वबैंक के 2007 के आंकड़ों के अनुसार एक हेक्टेयर में भारत, चीन, जापान, बांग्लादेश, अमेरिका, पाकिस्तान और इजराइल में क्रमशः 142.3 किलो, 331.1 किलो, 171.2 किलो, 166.2 किलो और 524 किलो रासायनिक खाद का इस्तेमाल किया जाता था। भूमि उर्वरता के बचाव के लिए 2008-09 में सरकार ने मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबंधन की राष्ट्रीय परियोजना शुरू की। इस परियोजना का लक्ष्य मृदा परीक्षण के आधार पर रसायनिक उर्वरकों एवं जैविक खाद के संतुलित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। वर्ष 2004-05 में जैविक खाद पर आधारित जैविक खेती के प्रोत्साहन की राष्ट्रीय परियोजना भी शुरू की गई।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

धूम्रपान का प्रभाव

बीडी, सिगरेट, तम्बाकू या शराब का सेवन करने से व्यक्ति क्षणिक जोश तो महसूस करता है लेकिन धीरे-धीरे यह उसके शरीर को खराब करती चली जाती है।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

रासायनिक खादों का इस्तेमाल

यूरिया , डाई एवं अन्य रासायनिक दवा धरती को कुछ समय के लिये तो जोशिला बना देती है परन्तु धीरे-धीरे धरती को कमजोर कर रही है।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

रासायनिक खादों का इस्तेमाल

जिस तरह से रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ रहा है, उस तरह से एक वक्त ऐसा आयेगा कि जब रासायनिक खादों पर ही फसल उगा करेगी और मिट्टी पूर्ण रूप से बंजर हो जायेगी।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

उत्पादन शक्ति कम करती है रासायनिक खाद

किसानों को दिये बेहतर उत्पादन के टिप्स

- **बिरसा कृषि विवि में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू**
- **24 केवीके के वैज्ञानिकों ने की सहभागिता**

संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बीएयू सभागार में किया गया। कार्यशाला के पहले दिन बुधवार को मिट्टी पर रासायनिक खाद के प्रभाव पर चर्चा की गयी। कृषि वैज्ञानिक डॉ डीके शाही ने कहा कि किसानों द्वारा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से उनके खेतों की उत्पादन शक्ति दिनों दिन कम होती जा रही है। इसके प्रभाव के कारण खेतों में उत्पादित होने वाले खाद्य पदार्थ गुणवत्तायुक्त नहीं होते हैं जिसके कारण मनुष्य के शरीर में विभिन्न प्रकार की बिमारी होती है।

किसानों को खेतों की उर्वरकता बनाये रखने के लिए उचित मात्रा में रासायनिक खाद का इस्तेमाल करना चाहिए। मौके पर डॉ बीके अग्रवाल, डॉ राकेश कुमार ने किसानों को रसायनिक खाद से इस्तेमाल के दौरान बरती जानेवाली सावधानियों के बारे में सुझाव दिये। कार्यशाला में कुल 24 केवीके केंद्रो के कृषि वैज्ञानिक समेत बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

खाद के अधिक प्रयोग से भूमि उर्वरता घटी

एक हेक्टेयर खेत में 133 किलो रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। पिछले 60 साल में कृषि खाद के बेतहाशा बढ़ते प्रयोग से देश के अनेक हिस्सों में भूमि की उर्वरता प्रभावित हुई है और गंगा के मैदानी इलाकों की मृदा गुणवत्ता का तेजी से क्षरण हुआ है।

उर्वरक विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 1951-52 के दौरान प्रति हेक्टेयर एक किलो से भी कम खाद का प्रयोग किया जाता था, जबकि अब एक हेक्टेयर खेत में 133 किलो रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतने के बाद भी दुनिया के अन्य विकसित देशों की अपेक्षा देश में उर्वरकों का इस्तेमाल कम है। विश्वबैंक के 2007 के आंकड़ों के अनुसार एक हेक्टेयर में भारत, चीन, जापान, बांग्लादेश, अमेरिका, पाकिस्तान और इजराइल में क्रमशः 142.3 किलो, 331.1 किलो, 171.2 किलो, 166.2 किलो और 524 किलो रासायनिक खाद का इस्तेमाल किया जाता था। भूमि उर्वरता के बचाव के लिए 2008-09 में सरकार ने मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबंधन की राष्ट्रीय परियोजना शुरू की। इस परियोजना का लक्ष्य मृदा परीक्षण के आधार पर रसायनिक उर्वरकों एवं जैविक खाद के संतुलित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। वर्ष 2004-05 में जैविक खाद पर आधारित जैविक खेती के प्रोत्साहन की राष्ट्रीय परियोजना भी शुरू की गई।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

किसानों की तंगहाली

रासायनिक खादों का अधिक उपयोग होने के कारण दिन प्रतिदिन खेती की लागत बढती ही जा रही है जो किसानों की तंगहाली का सबसे बडा कारण है।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

आइये जानते हैं कि रासायनिक खाद धरती को किस तरह नुकसान पहुचा रही हैं :-

रासायनिक खाद के नुकसान

1. नाईट्रोजन की वजह से मिट्टी सख्त और भूरी-भूरी होती जा रही हैं।
2. किसान के मित्र कहे जाने वाले केचुएँ विलुप्त हो रहे हैं।
3. खादों से खेतों मे एक परत बनती जा रही है और प्राकृतिक छिद्र दिनों दिन बन्द होते जा रहें हैं जिसके कारण से 80% की लागत बेकार हो जाती हैं।

किसान मित्र प्रोजेक्ट

Agri Product
VESTIGE
AGRI82
VESTIGE
AGRI82

Vestige Agri -82

वेस्टीज एग्री-82 न तो खाद है न कोटनाशक है न खरपतवार नाशक है और न ही फफूदीनाशक अपितु यह एक बहउद्देशीय नॉन-आयोनिक स्प्रे सहायक घोल है जिसमे 82% सक्रिय तत्व होते ह जिसे इनके साथ मिलाने पर यह इनको काय क्षमता को बढा देता है।

Vestige Agri Product

यह किस तरह काम करता है

पानी जैसे ही पौधों को पत्तो पर गिरता है तो उनको सतहो पर पानी को बूदे बनती ह जिनमे पत्तो से मिलकर नीचे गिर जाने को प्रवृति होती है।

Vestige Agri – 82

Vestige Agri – 82

किस तरह काम करता है

वेस्टीज एग्री – 82 को जब पानी मे मिला दिया जाता है तो इसका नाँन – आयोनी सतह पर सक्रिय रहने वाला पदाथ , पानी के कणों मे घुलकर पानी के फैलाव को क्षमता और गीला करने को क्षमता मे बृद्धि करता हैं । जिस कारण पानी को बूद नही बनती है और वह पूरे पौधों मे फैल जाता है ।

Vestige Agri- 82 के फायदे

1. फसल को लागत मे कमी
2. उपज बृद्धि मे सहायक
3. खेत को उपजाऊ शक्ति को बरकरार रखने मे मददगार

Vestige Agri- 82 को विशेषताय

कम सिचाई को आवश्यकता

पानी को जमीन के अन्दर तक पहचाता है जिसके कारण नमी अधिक समय तक बनी रहती है और 5 बार को जगह 3 बार ही सिचाई को आवश्यकता पडती है।

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

समान रूप से फैलाने और मिलाने मे उपयोगी

यह द्रव्य , पाउडारों , किटनाशकों और अधिकांश खाद को समान रूप से घुलनशील द्रब्य बनाकर मिलाने मे सहायक होता है।

Vestige Agri- 82 को विशेषताय

क्रियाशीलता को बढाने मे सहायक

किसी भी खाद (उवरक) , कीटनाशक , खरपतवारनाशक , दीमक नाशक , स्प्रफर पाउडर इत्यादि मे मिलाकर प्रयोग करने से इसको काय क्षमता (गुणवत्ता) मे बृद्धी करता है एवं हवा / गर्मी से होने वाले वाष्पीकरण को भी रोकता है ।

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

पहले डले हये उवरक को सक्रिय करना

खेत मे पहले से किये हये किसी भी प्रकार के उवरक एवं अन्य घतको को भी सक्रिय कर पैदावार को बढाता है।

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

लागत मे कमी लाता है

खाद आदि की मात्रा 2/3 करने पर भी परीणाम दुगुना देता है ।

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

लागत मे कमी लाता है

खाद की मात्रा कम करके भी पूरी फसल

50 Kg खाद की जगह

पहले साल – 35 Kg.

दूसरे साल – 30 Kg.

तीसरे साल – 25 Kg.

चौथे साल – 20 Kg.

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

सुरक्षित और प्रयावरण रक्षक

यह पूरी तरह विष रहित , सुरक्षित और प्रयावरण रक्षक है।

Vestige Agri- 82 की विशेषताय

उपजाऊ शक्ति को बरकरार रखना

यह खेत की उपजाउ शक्ति को न केवल बरकरार रखता है बल्कि उसे बढाने मे भी मददगार है।

Vestige Agri- 82 को विशेषताय

जंक रोधक

टंक , नोजल, पम्प एवम अन्य धातु उपकरणो मे जंक नही लगने देता ह ।

Vestige Agri- 82

किन फसलों के लिये उपयोगी

किन फसलों के लिये उपयोगी

Vestige Agri- 82 सभी प्रकार को फसलों , सब्जियों , फलों, फूलों तथा दालों इत्यादि में इस्तेमाल हो सकता है।

Vestige Agri- 82

उपयोग का तरीका

Vestige Agri- 82 उपयोग का तरीका

सभी कीटांणुनाशको के लिये

पेस्टीसाइड के प्रत्येक 15 लीटर पानी के घोल मे 5 ML .

पेस्टीसाइड को पानी मे मिलाने से पहले वेस्तीज एग्री – 82 को पानी मे मिलाना जरूरी है।

Vestige Agri- 82 उपयोग का तरीका

खरपतवार नाशको मे

प्रत्येक 15 लीटर पानी के घोल मे 20 ML

पेस्टीसाइड को पानी मे मिलाने से पहले वेस्तीज एग्री – 82 को पानी मे मिलाना जरूरी है।

Vestige Agri- 82 उपयोग का तरीका

सिचाई के लिये

प्रत्येक 80 लीटर पानी मे 160 ML

Vestige Agri- 82 उपयोग का तरीका

खाद म

प्रत्येक 50 Kg. खाद मे
100 ML बिना पानी के

Vestige Agri- 82

से सम्बन्धित

कुछ सवाल

जो दिल म

आ सकत ह

Q - क्या यह हर फसल के लिये इस्तेमाल हो सकता है ?

A - जी हाँ , वेस्टीज एग्री – 82 सभी तरह की फसलों मे इस्तेमाल हो सकता है ।

Q - क्या ये दवा मिट्टी को कोई नुकसान पहुचाती है ?

A - जी नही , वेस्टीज एग्री – 82 जडी – बूटी को तरह मिट्टी को ताकत बढाता है ।

Q - वेस्टीज एग्री – 82 फसलों मे कितनी बार प्रयोग कर सकते हं ?

A – जीतनी बार आप पानी, खाद एवं स्प्रे प्रयोग करते हं , मात्रानुसार उतनी बार हर चीज मे मिलाकर प्रयोग कर ।

Q – क्या वेस्टीज एग्री – 82 को कीटनाशक मे भी इस्तेमाल कर सकते ह ?

A – जी हाँ , वेस्टीज एग्री – 82 , 15 लीटर के टंक मे एक ढक्कन डाल और कीटनाशक की भी 30% मात्रा कम कर।

Q – क्या वेस्टीज एग्री – 82 हर बार इस्तेमाल करना पडता है ?

A – जी हाँ , अगर रुपये बचाने और लाभ पाने से परहेज न हो तो ।

Q – वेस्टीज एग्री – 82 क्या रासायनिक प्रोडक्ट हैं ?

A – जी नही ।

Q – वेस्टीज एग्री – 82 के प्रयोग के बाद क्या- क्या फायदे नजर आयेग ?

A – फसलों मे बढोतरी और बढिया रंग।

Q – वेस्टीज एग्री – 82 हम क्यों इस्तेमाल कर ?

A – कम लागत के साथ अच्छी फसल के लिय।

Q – क्या वेस्टीज एग्री – 82 हर दुकान मे उपलब्ध है ?

A – नही, यह प्रोडक्ट दुकान मे नही मिलते। केवल वेस्टीज डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा ही इसे प्राप्त किया जा सकता है।

Q – वेस्टीज एग्री – 82 कितनी कितनी मात्रा मे उपलब्ध है ?

A –

1. **5 लीटर**
2. **500 ML (½ लीटर)**
3. **100 ML (100 ML X 3)**

Q – वेस्टीज एग्री – 82 का मूल्य कितना है ?

1. 5 लीटर – MRP Rs. 3850/-
2. 500 ML (½ लीटर) – MRP Rs. 425/-
3. 100 ML (100 ML X 3) – MRP Rs. 315/-